व्यापार

बिटकॉइन की कीमतें धड़ाम, 15% गिरकर पहुंची 6113 डॉलर पर

नई दिल्ली 7 फरवरी (ए)। दुनियाभर में शेयर बाजारों में पैसा लगाने वाले तो हफ्तेभर से घाटे का सामना कर ही रहे हैं साथ में बिटकॉइन में किया गया निवेश भी बढ़ने के बजाय घट रहा है। देश में सभी तरह की क्रिप्टोकरेंसी के जरिए पेमेंट को रोक लगाने की योजना की खबरों की वजह से आज बिटकॉइन की कीमतों में भी करीब 15 प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में बिटकॉइन का भाव घटकर 6113 डॉलर तक आ गया है जो नवंबर 2017 के बाद सबसे कम भाव है। देश में बिटकॉइन के जरिए पेमेंट पर रोक लगाने के लिए कानून बनाने की तैयारी हो रही है। सरकार ने इसके लिए एक पैनल का गठन किया है जो 31 मार्च तक अपनी रिपोर्ट सौंप देगा। सोमवार को आर्थिक मामलों के सचिव सुभाष चंद्र गर्ग ने एक निजी बिजनेस चैनल को दिए इंटरव्यू में यह जानकारी दी है। इस खबर के बाद बाजार में बिटकॉइन में तेजी से गिरावट देखने को मिल रही है। भारतीय करेंसी में कहें तो बिटकॉइन की कीमत अब 4 लाख रुपए भी नहीं बची है, करीब डेढ़ महीना पहले 18 दिसंबर को भारतीय बाजार में बिटकॉइन का भाव 12.70 लाख रुपए था लेकिन आज यह घटकर 3.90 लाख रुपए रह गया है वहीं दूसरी तरफ शेयर बाजार में भी हाहाकार मचा हुआ है, विदेशी बाजारों में आई बिकवाली की वजह से महज 3 कारोबारी सत्र में बाजार से लगभग 10 लाख करोड़ रुपए की पूंजी साफ हो चुकी है। पहली फरवरी के दिन जब बजट पेश हुआ था तो उस समय बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्टेड कंपनियों की कुल मार्केट कैप 153 लाख करोड़ रुपए थी लेकिन 2 फरवरी, फिर 5 फरवरी और आज 6 फरवरी को आई भारी गिरावट की वजह से बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटल घटकर 143 लाख करोड़ रुपए रह गया है।

शेयर बाजार में गिरावट की वजह वैश्विक कारक हैं: अरुण जेटली

नई दिल्ली 7 फरवरी (ए)। केन्द्रीय वित्त मंत्री अरुण जेतली ने कहा कि बाजार में लगातार जारी गिरावट की वजह आम बजट में शेयरों में कमाई पर दीर्घकालीन पूंजीगत लाभ (एल.टी.सी.जी.) कर लगाया जाना नहीं बल्कि वैश्विक कारक हैं। यह बयान ऐसे समय में आया है, जब शेयर बाजार में नवम्बर 2016 के बाद से शुक्रवार को सबसे भारी गिरावट दर्ज की गई थी। आम बजट 2018-19 में शेयरों से कमाई पर एल.टी.सी.जी. कर दोबारा लगाए जाने के ऐलान के बाद बाजार लुढ़के थे। शुक्रवार के कारोबार में सैंसेक्स में 800 अंकों से अधिक की एकदिनी गिरावट हुई थी जबकि निफ्टी सूचकांक में 200 से अधिक गिरावट दर्ज की गई थी। जेतली ने दक्षिण एशिया क्षेत्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए बताया कि शेयर बाजार में यह गिरावट बजट या एल.टी.सी.जी. की वजह से नहीं है। डाओ जोंस में भी 2 प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज हुई है। जेतली शुक्रवार को अमरीकी शेयर बाजार के सूचकांक डाओ जोंस में भारी गिरावट का उल्लेख कर रहे थे। जहां डाओ जोंस इंडस्ट्रीयल एवरेज शुक्रवार को 665.75 अंकों यानी 2.75 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,520.96 पर बंद हुआ था। बी.एस.ई. के सैंसेक्स में सोमवार को भी गिरावट जारी रही। जेतली ने भारत सहित दक्षिण एशिया के सभी देशों में लोक सेवाओं को मजबूत बनाने व सरकारी खरीद में निष्पक्षता सुनिश्चित किए जाने पर बल देते हुए कहा कि इससे क्षेत्र में तीव्र आर्थिक वृद्धि हासिल करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, ''यह क्षेत्र दक्षिण एशिया है जहां दुनिया में सबसे तेज वृद्धि दर्ज की जा रही है इसलिए इस क्षेत्र में आने वाले समय में लोक या जन सेवाओं की आपूर्ति को तेज करना होगा। इस क्षेत्र के लिए यह एक महत्वपूर्ण मुद्दा होगा।'' व्यय सचिव ए.एन. झा ने कहा कि भारत में इस समय सार्वजनिक खरीद का भुगतान औसत 7 दिन में निपटा दिया जाता है। हम इसे और कम करने की उम्मीद करते हैं।

बुध और शुक्र की बदली चाल से गिरा बाजार, मार्च तक राहत नहीं

नई दिल्ली 7 फरवरी (ए)। वैदिक ज्योतिष का संबंध जीवन के हर पहलू से लेकर रोजगार यहां तक की स्टोक मार्केट पर भी पड़ता है। पिछले कुछ दिनों से अमेरिका और भारत की स्टोक मार्केट में गिरावट नजर आ रही है। यह लेख वैश्विक ज्योतिष के आधार पर ऐसा स्पष्टिकरण देता है। जिस पर इस गिरावट की समिक्षा की जा सकती है। ज्योतिष के व्यावसायिक खंड के अनुसार बुध और शुक्र का संबंध बाजार के व्यापार पर मूल रूप से देखने को मिलता है। संपूर्ण वाणिज्यिक मूल्य रूप से बुध और शुक्र पर तथा मांग और खपत पर निर्भर करता है। कालपुरूष सिद्धांत के अनुसार एस एम सी जी फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स कालपुरूष के भाव नंबर 2, 3, 6 और 7 से व्याप्त होते हैं। भाव न. 2 से खरीद क्षमता भाव न. 3 से उपभोग क्षमता भाव न. 6 से आयात और भाव न. 7 से निर्यात देखा जाता है। ज्योतिष की गोचर प्रणाली के अनुसार दिनांक 13 जनवरी 2018 को 14.56 पर शुक्र धनु राशि से मकर में प्रवेश कर गया था तथा मंगवार 6 फरवरी 2018 को 12 बजकर 10 मिनट पर शुक्र मकर से निकल कर कुंभ में आ गया था। शुक्रवार 2 मार्च 2018 को प्रात: 11. 54 पर शुक्र कुंभ में रहेगा। इसके बाद मीन में प्रवेश करेगा, इसके साथ ही बुध रविवार दिनांक 28 जनवरी 2018 को रात 1.13 मिनट पर धनु से निकल कर मकर में आ गया था। गुरूवार दिनांक 15 फरवरी 2018 से लेकर शनिवार दिनांक 3 मार्च 2018 को प्रात 7.20 तक बुध कुंभ को भोगता हुआ मीन में प्रवेश करेगा। मकर और कुंभ ये दोनों राशियां संसार की वाणिज्य अर्थव्यवस्था को संबोधित करती हैं। इसी के साथ ही शुक्रदेव 19 फरवरी 2018 को शाम 5 बजकर 59 मिनट पर अपनी अस्त स्थिती को छोड़ते हुए पुन: उदय हो जाएंगे साथ ही अस्त पड़े हुए बुध देव 6 मार्च 2018 को रात 2 बजकर 42 मिनट पर अपनी अस्त स्थिती से जल्दी उदय हो जाएंगे।

जीएसटी बिल घोटाला

सैंट्रल एक्साइज के अफसर बोले जब समय होगा तब देखेंगे मामला

लुधियाना 7 फरवरी (ए)। हम सैंट्रल एक्साइज विभाग के अफसर हैं, जब समय होगा तब जी.एस.टी. के बिलों के बारे बात करेंगे। यह धौंस भरे शब्द सैंट्रल एक्साइज के कमिश्नर आशुतोष ने जी.एस.टी. के जाली बिलों के खेले जा रहे अरबों रुपए के खेल के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में कहे। केंद्र सरकार ने हर स्टेट में जी.एस.टी. के रजिस्टर्ड डीलर के कुछ अकाऊंट को स्टेट सेल टैक्स व कुछ अकाऊंट को सैंट्रल एक्साइज में बांटा है। इसके बावजूद स्टेट सेल टैक्स तो हरकत में आ गया, लेकिन सैंट्रल एक्साइज के अधिकारी अपने दफ्तरों से बाहर निकलने को तैयार नहीं। अरबों के हो रहे घोटालों के प्रति गम्भीर न होने के कारण तमाम सैंट्रल एक्साइज विभाग पर सवालिया निशान लग गया है कि आखिर अधिकारी इन सब मामलों को हल्के में क्यों ले रहे हैं। यहां बता दें कि ऐसे कड़क स्वभाव वाले अफसरों के कारण

पूरा नजला केंद्र सरकार की कारगुजारियों पर गिरता है। सवाल यह भी है कि कमिश्नर स्तर के अधिकारी आखिर मीडिया को कोई जानकारी देने से क्यूं कतराते हैं।

जांच करने की बजाय दबा दिया मामला

मलौट से एक व्यापारी सतनाम सिंह ने लेड में हो रही जाली बिलों की शिकायत लिखित में डिप्टी कमिश्नर लक्ष्य गुप्ता को की थी, लेकिन उन्होंने जांच करने की बजाय मामले का दबा दिया। यही नहीं उक्त व्यापारियों ने बताया कि जो ऑफिसर उनके पास इंक्वायरी करने आए थे उन्होंने भी छानबीन में पाया कि जाली बिलों का खेल खेला जा रहा है। परंतु डिप्टी कमिश्नर ने रूटीन मैटर बताकर उन अधिकारियों की ट्रांसफर करा दी। पिछले सप्ताह जब इस बारे लक्ष्य गुप्ता से पूछा गया तो उन्होंने भी पहले कमिश्नर की तरह धौंस दिखाई, फिर उसे जब कहा गया कि आप जैसे अधिकारी को ऐसे बात करना शोभा नहीं देता तो वह इतना कहकर फोन रखकर निकल पड़े कि मामले की जांच करेंगे। आज भी जब लक्ष्य गुप्ता को फोन कॉल, व्हाट्स एप व एस.एम.एस. किया गया तो उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। उसके बाद विभाग के कमिश्नर आशुतोष से जानना चाहा तो वह डिप्टी कमिश्नर गुप्ता से भी धौंस दिखाने में चार कदम आगे दिखे। उन्होंने कहा कि हम कमिश्नर हैं जब समय होगा तब मामले को देखेंगे। उनसे पूछा गया कि लुधियाना कब आए हैं और कहां रह रहे हैं तो वह इस बात पर भड़क गए। उनके इस रवैये से ऐसा साबित हुआ कि जैसे उनके किसी गुप्त मसले पर हाथ रख दिया हो। ज्ञात हो कि हाल ही में कानपुर में तैनात आई.आर.एस. संसार चंद को जो जी.एस.टी. का ही मामला देख रहे थे उन्हें रिश्वत के केस में सी.बी.आई. ने पकड़ा है। वह अपने निचले अधिकारियों के साथ मिलकर रिश्वत का पूरा रैकेट चला रहे थे। अब सवाल यह है कि क्या सरकार ने अधिकारियों को इसीलिए इतने बड़े पद पर बिठाया है कि वह अपनी जिम्मेदारी की बात सुनते ही आग बबूला हो जाएं।

इलेक्ट्रोस्टील की बोली, रेनांसा ने टाटा, वेदांता की योग्यता पर उठाए सवाल

मुंबई 7 फरवरी (ए)। इलेक्ट्रोस्टील स्टील्स के लिए बोली लगाने वाली चार कंपनियों में से एक रेनासां स्टील ने सवाल किया है कि क्या टाटा स्टील और अनिल अग्रवाल की कंपनी वेदांता इस बैंकरप्सी रिजॉल्यूशन प्रोसेस में शामिल होने की योग्यता रखती हैं उसने कहा है कि अगर दोनों को इसमें शामिल होने दिया जाता है तो यह मौजूदा कानून का उल्लंघन होगा। यह जानकारी इस मामले से वाकिफ दो सूत्रों ने दी है। रेनांसा स्टील ने कहा है कि इनसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड (आईबीसी) की धारा 29ए ('डी') के तहत इलेक्ट्रोस्टील के लिए बोली लगाने की योग्यता नहीं रखतीं। इस धारा में कहा गया है कि अगर किसी कंपनी को आपराधिक कानून के तहत दोषी करार दिया जा चुका है तो वह रिजॉल्यूशन प्रोसेस में शामिल नहीं हो सकती। यह रूल कहता है कि अगर कंपनियों की सब्सिडियरी को दो साल से अधिक की सजा मिली है तो वह बोली नहीं लगा सकती। रेनांसा स्टील ने इस मामले में इलेक्ट्रोस्टील के बैंकरों को एक लेटर लिखा है। इसमें दावा किया गया है कि टाटा स्टील और वेदांता को क्रमश: ब्रिटेन और जाम्बिया में दोषी ठहराया जा चुका है।

भारत का चाय निर्यात 36 साल के रिकॉर्ड स्तर पर

नई दिल्ली 7 फरवरी (ए)। भारत का चाय निर्यात पिछले साल बढ़कर 24.07 करोड़ किलोग्राम पर पहुंच गया। यह पिछले 36 साल का रिकॉर्ड उच्च स्तर है। इससे पहले 1981 में चाय निर्यात रिकॉर्ड 24.12 करोड़ किलोग्राम रहा था।

बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, 2017 में चाय निर्यात 2016 की तुलना में 1.82 करोड़ किलोग्राम यानी 8.20 प्रतिशत अधिक रहा है। मूल्य के आधार पर चाय निर्यात 5.90 प्रतिशत बढ़कर 4,731.66 करोड़ रुपए रहा है। आंकड़ों के अनुसार, उत्तर भारत का चाय निर्यात 14.84 करोड़ किलोग्राम तथा दक्षिण भारत का चाय निर्यात 9.23 करोड़ किलोग्राम रहा है।

कुछ सप्ताह में बढ़ जाएंगे कारों के दाम

नई दिल्ली 7 फरवरी (ए)। बजट में आयात शुल्क की घोषणा से लग्जरी वाहन महंगे होने वाले हैं लेकिन डीलरों के पास पड़े मौजूदा स्टॉक्स की वजह से गाड़ियां अभी सस्ते में मिल रही हैं। अनुमान है कि अगले कुछ सप्ताह में बढ़ी हुई नई दरों का ऐलान हो जाएगा क्योंकि तब तक मौजूदा स्टॉक्स खत्म हो जाएंगे और कंपनियों को नए आयातित सामानों से गाड़ियां असैंबल करनी होंगी जिनकी लागत ज्यादा होगी। मर्सडीज-बैंज और ऑडी जैसी कार कम्पनियां उन संभावित ग्राहकों को लुभाने में जुटी हैं जो बजट के असर से पहली वाली कीमत पर कारें खरीदना चाहते हैं।

दिल्ली-एन.सी.आर. में मर्सडीज-बैंज के टॉप डीलरों में से एक सिल्वर एरोज ऐसे संभावित ग्राहकों को सूचना दे चुका है। अपने मैसेज में इसने ग्राहकों से कहा कि जल्दी कीजिए और बजट से पहले के दाम पर अपनी पसंदीदा कार खरीद लीजिए।

किंग्स और फार्च्यून आयल एजेंसी में खाद्य विभाग की छापेमारी

मुंबई 7 फरवरी (ए)। इंडिया का नंबर वन खाद्य तेल होने का दावा करने वाली कंपनी डानी विल्मार की एजेंसी में खाद्य सुरक्षा विभाग रायपुर में इस कंपनी की बहुत बड़ी एजेंसी है, जहां खाद्य विभाग की टीम अपने अधिकारियों के साथ पहुंची। टीम ने कारवाई करते हुए करीब चार करोड़ की कीमत वाले उत्पादों को सीज किया है। उत्पादों में जैसे एडिबल ऑयल(कुकिंग ऑयल), खाद्य तेल, सोया(रिफाईंड) और राईस ब्रान ऑयल आदि शामिल हैं।

एजेंसी पर आरोप है कि इन्होंने अपने उत्पादों की बिक्री के लिए गलत ब्रांड और भ्रामक प्रचारों को उपयोग किया है। फिलहाल टीम ने सैंपल लिए हैं। अब लैब रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बता दें कि, बाजारों में बहुचर्चित किंग्स और फार्च्यून ब्रांड के खाद्य तेल इसी एजेंसी से देश में उपलब्ध कराए जाते हैं। तीस साल पहले सन् 1988 में गौतम अडानी ने अडानी रुप की स्थापना की थी। कुछ समय बाद अडानी रुप ने सिंगापुर की विल्मार इंटरनेशल लिमिटेड के साथ अपना व्यापार भारत में शुरू किया, जो कि अडानी विल्मार के नाम से जाना जाता है।

रिपोर्टों के अनुसार, अडानी विल्मार भारत में खाद्य तेलों का सबसे बड़ा निर्माता है, बाजार में इसकी लगभग 20 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इनका उत्पादों को प्रमुख ब्रांड फार्च्यून है।

धोखाधड़ी: कोर्ट ने आरोपी बिल्डर के एक फ्लैट और 58 एकड़ के प्लॉट की नीलामी का दिया आदेश

मुंबई 7 फरवरी (ए)। बॉम्बे हाई कोर्ट ने खरीददारों को धोखा देने वाले एक बिल्डर को सबक सिखाने के लिए नायाब आदेश दिया है। कोर्ट ने आरोपी बिल्डर के एक फ्लैट और 58 एकड़ के प्लॉट की नीलामी का आदेश दिया है, जिससे एकत्र हुए पैसे से खरीददारों के प्रॉजेक्ट को पूरा किया जाएगा।

मुंबई के दादर (पूर्व) में नौ साल पहले एक बिल्डिंग को एक प्रॉजेक्ट के लिए ध्वस्त कर दिया गया था, जिससे इसमें रहने वाले 21 किराएदार बेघर हो गए थे। सुनील सोई नामक एक किराएदार द्वारा दायर की गई शिकायत के अनुसार बिल्डर शिरीष दीक्षित ने 2008 में बताया कि उसने तीन मंजिला एक इमारत को खरीद लिया है और उसे फिर से डिवेलप करना चाहता है। 2009 में सभी किराएदार दूसरी जगह रहने चले गए, जिसके बाद उस बिल्डिंग को तोड़ दिया गया। बिल्डर पहले तो सभी किराएदारों को किराया देता रहा, लेकिन बाद में उसने पैसे देना बंद कर दिया। 2015 में किराएदारों को पता चला कि बिल्डर ने उस जमीन को गिरवी रखकर 10.4 करोड़ का लोन ले लिया है। इसके बाद सभी किराएदारों ने कोर्ट का रुख किया और अप्रैल 2016 में इकॉनमिक ऑफेन्स विंग में शिकायत दर्ज करा दी। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि प्रॉजेक्ट पूरा करने में आरोपी बिल्डर की कभी कोई दिलचस्पी नहीं थी और वह केवल किराएदारों को धोखा देना चाहता था। कोर्ट ने मटुंगा (पूर्व) में बिल्डर के एक फ्लैट और महाबलेश्वर के पास 58 एकड़ के प्लॉट की नीलामी का आदेश दे दिया और इसके लिए एक कमिश्नर की नियुक्ति करते हुए नीलामी से मिलने वाली राशि से सभी किराएदारों के लिए फिर से एक बिल्डिंग बनवाकर देने का निर्देश दिया।

जनवरी में जगुआर लैंड रोवर की बिक्री 3 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली 7 फरवरी (ए)। टाटा मोटर्स की लग्जरी कार बनाने वाली सहयोगी कंपनी जगुआर लैंड रोवर की वैश्विक बिक्री जनवरी में तीन प्रतिशत बढ़कर 49,066 वाहनों पर पहुंच गई। कंपनी ने आज जारी बयान में कहा कि आलोच्य माह के दौरान जगुआर ब्रांड के वाहनों की बिक्री एक प्रतिशत बढ़कर 14,066 इकाइयों पर पहुंच गई। लैंड रोवर ब्रांड के वाहनों की बिक्री इस दौरान चार प्रतिशत की तेजी के साथ 35 हजार इकाइयों पर पहुंच गयी। जगुआर लैंड रोवर के निदेशक (रूप सेल्स ऑपरेशन) एंडी गॉस ने कहा कि चीन में लगातार जारी मांग उत्साहवर्धक है। उन्होंने कहा, ''हालांकि हमें अब भी अपने मुख्य बाजारों ब्रिटेन और यूरोप में कड़े व्यापारिक शर्तों के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।'' कड़े व्यापारिक शर्तों के कारण कंपनी की बिक्री ब्रिटेन में चार प्रतिशत तथा यूरोप में नौ प्रतिशत गिर गयी है। हालांकि मैक्सिको, भारत और ब्राजील जैसे बाजारों में बिक्री नौ प्रतिशत बढ़कर 6,551 इकाइयों पर पहुंच गई है।

इंडस टावर में पूरा स्टेक भारती इंफ्राटेल को बेचेगी वोडाफोन

मुंबई 7 फरवरी (ए)। ब्रिटेन की वोडाफोन इंडस टावर में अपनी पूरी 42 पर्सेंट हिस्सेदारी भारती इंफ्राटेल को 5 अरब डॉलर में बेचने जा रही है। शेयरों की अदला-बदली से होने वाले इस सौदे के बाद भारती इंफ्राटेल की इंडस टावर में हिस्सेदारी बढ़कर 84 पर्सेंट हो जाएगी। डील की बातचीत से वाकिफ दो सूत्रों ने बताया कि इससे भारती इंफ्राटेल में निवेशकों की दिलचस्पी भी बढ़ेगी। इंडस टावर में वोडाफोन की हिस्सेदारी की कीमत 5 अरब डॉलर लगाई जा रही है। हालांकि, टेलीकॉम कंपनियों के ओवरलैपिंग टेनेंसी के कैंसल होने के बाद डील की फाइनल वैल्यू तय हो पाएगी। टावर रेंटल के कैंसल होने से इंडस टावर की आमदनी पर चोट पड़ेगी, जिससे उसके वैल्यूएशन में कमी आ सकती है। भारती इंफ्राटेल देश की सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनी भारती एयरटेल की सब्सिडियरी है। उसकी ज्वाइंट वेंचर के जरिये कंपनी में 42 पर्सेंट हिस्सेदारी है। वहीं, इंडस टावर के 16 पर्सेंट शेयर आइडिया सेल्युलर के पास हैं। कंपनी के बाकी 42 पर्सेंट शेयर ब्रिटिश कंपनी वोडाफोन के पास हैं। सूत्रों ने बताया कि वोडाफोन और भारती इंफ्राटेल की डील में कैश का लेनदेन नहीं होगा। इसके बजाय डील के बाद कंबाइंड भारती इंफ्राटेल में वोडाफोन को कुछ स्टेक मिलेगा। एक सूत्र ने बताया, वोडाफोन और एयरटेल ने टेनेंसी ओवरलैप का पता लगाने के लिए ड्यू डिलिजेंस पूरा कर लिया है। इससे सौदे के लिए सही वैल्यूएशन तक पहुंचने में मदद मिलेगी।

नीरव पर सीबीआई ने लगाया 280 करोड़ की धोखाधड़ी का आरोप

नई दिल्ली 7 फरवरी (ए)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सी.बी.आई.) ने अरबपति हीरा व्यापारी नीरव मोदी पर शिकंजा कसा है। पंजाब नेशनल बैंक से 280 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के मामले में सी.बी.आई. ने नीरव मोदी, उसकी पत्नी, भाई और कारोबारी सहयोगी के खिलाफ एफ.आइ.आर. दर्ज कर ली है। इस मामले में पीएनबी के 13 अधिकारियों को भी आरोपी बनाया गया है।

280 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी: अधिकारियों ने बताया कि सी.बी.आई. ने पंजाब नेशनल बैंक की शिकायत पर यह कदम उठाया है। पंजाब नेशनल बैंक का आरोप है कि मोदी, उनके भाई निशाल, पत्नी एमी और मेहुल चिनुभाई चोकसी ने बैंक के अधिकारियों के साथ साजिश रचकर धोखाधड़ी को अंजाम दिया जिससे बैंक को नुकसान

उठाना पड़ा। सभी आरोपी डायमंड्स आर यूएस, सोलर एक्सपोर्ट्स, स्टेलर डायमंड्स में साझेदार हैं।

इन धाराओं में केस : अधिकारियों के अनुसार, सी.बी.आई. ने इंडियन पैनल कोड (आई.पी.सी.) की आपराधिक षड्यंत्र, धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार रोकथाम कानून की धाराओं के तहत चारों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पीएनबी ने अपनी शिकायत में बताया था कि नीरव मोदी, उनके भाई निशाल मोदी और उनकी पत्नी ए ने अपनी कंपनी में 280.70 करोड़ रुपए का गलत घाटा दिखाकर बैंक के साथ धोखाधड़ी की थी।

फोर्ब्स लिस्ट में बनाई जगह : 2016 में आई भारत के सबसे धनी लोगों की फोर्ब्स लिस्ट में को जगह मिली थी। उस समय उनकी संपत्ति 1.74 बिलियन डॉलर (11.2 हजार करोड़ रुपए) बताई गई थी। क्रिस्टी ज्वैलरी ऑक्शन (2010) में नीरव मोदी की कंपनी फायर स्टार डायमंड का गोलकोंडा नेकलेस 16.29 करोड़ रुपए में बिका और नीरव मोदी ब्रांड को ग्लोबल पहचान मिली थी।